2017 से पहले यूपी की पहचान उपद्रव, अराजकता और माफिया से थी



लखनऊ, । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का मतलब पूछने वालों को अब प्रदेश की प्रगति और विकास की गति से जवाब मिल रहा है। उत्तर प्रदेश 'अनलिमिटेड पोटेंशियल' यानी असीमित संभावनाओं वाला प्रदेश है, जो निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीक, उद्योग, रोजगार और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक समय निवेशक लखनऊ आने से इनकार कर देते थे, लेकिन नए उत्तर प्रदेश में ?50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें ?15 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है और साढ़े सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव इसके लिए तैयार हैं। प्रदेश में 36 सेक्टोरल पॉलिसी हैं और सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को जीसीसी, आधुनिक तकनीक और उच्च कौशल वाले रोजगार का प्रमुख केंद्र बनाना है।मुख्यमंत्री सोमवार को राजधानी में जीसीसी इनोवेशन समिट 2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले लखनऊ में जीसीसी समिट की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टर समिट होना था, लेकिन एक भी इंडस्ट्री लीडर लखनऊ आने को तैयार नहीं हुआ। निवेशकों ने शहर की खतरनाक छवि का हवाला देकर आने से इनकार कर दिया। नतीजतन, उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए समिट दिल्ली के पांच सितारा होटल में आयोजित करना पड़ा। उस समय प्रदेश की पहचान उपद्रव, अराजकता, माफिया के वर्चस्व और पॉलिसी पैरालिसिस से थी। जब व्यक्ति सुरक्षित नहीं था तो पूंजी कैसे सुरक्षित होती? इसी अकर्मण्यता और अव्यवस्था ने उत्तर प्रदेश को बीमारू बना दिया था। युवाओं के लिए नौकरी नहीं थी, व्यापारियों को सुरक्षा नहीं थी, सूर्यास्त के बाद महिलाएं घर से बाहर नहीं निकल सकती थीं और बेटियां स्कूल नहीं जा सकती थीं। मुख्यमंत्री ने तत्कालीन सरकार के कुछ एमओयू पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें देखकर लोग हंसेंगे। उस समय की सरकार को अंग्रेजी के 'ह्रक्र' और हिंदी के 'और' में भी अंतर नहीं महसूस होता था।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सीएम योगी अखिलेश और मायावती ने दी बधाई

लखनऊ। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन पर्व पर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों से एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश सामने आया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) के माध्यम से देश व प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाल्मीकि जयंती के अवसर पर एक्स पर एक विशेष पत्र साझा किया। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने लिखा कि युवा शक्ति को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर समाज से हर प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। जब मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का स्वप्न साकार होगा। महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण के माध्यम से सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का जो मार्ग दिखाया है, वह युगों-युगों तक मार्गदर्शन करता रहेगा। आज उत्तर प्रदेश सरकार भी इन्हीं आदर्शों पर चलकर हर वर्ग के उत्थान में जुटी है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने देशवासियों को बधाई देते हुए लिखा, समस्त देशवासियों को महर्षि वाल्मीकि जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

एमएलसी चुनाव नतीजे तय करेंगे विधान परिषद में सपा का कद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव नतीजे समाजवादी पार्टी के लिए अहम होंगे। कल नतीजे आने वाले हैं। सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद बचाए रखने की है। समाजवादी पार्टी के मौजूदा 10 सदस्यों में तीन का कार्यकाल आगामी 6 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। अपनी सदस्य संख्या बरकरार रखने और नेता प्रतिपक्ष का पद बचाने के लिए सपा को कम से कम तीन सीटें जीतनी होंगी। इन सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था और मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए संबंधित दल के पास सदन की सदस्य संख्या का कम से कम 10 प्रतिशत होना जरूरी है। 100 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधान परिषद में न्यूनतम 10 सदस्यों की संख्या महत्वपूर्ण है। सपा के वर्तमान में 10 सदस्य हैं जिनमें से तीन का कार्यकाल दिसंबर में समाप्त होने के बाद पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर सात रह जाएगी। अब कम से कम तीन सीटें जीतकर ही सपा 10 सदस्यों की संख्या तक पहुंच सकती है।6 दिसंबर को सपा के डॉ. मान सिंह यादव, आशुतोष सिन्हा और लाल बिहारी यादव का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पार्टी ने इन तीनों को दोबारा चुनाव मैदान में उतारा है। चुनाव में इनके प्रदर्शन के साथ अन्य सीटों पर पार्टी की जीत विधान परिषद में सपा की स्थिति तय करेगी। विधान परिषद में सपा के मौजूदा सदस्यों में मो. जासमीर अंसारी, मुकुल यादव, शाहनवाज खान, डॉ. मान सिंह यादव, आशुतोष सिन्हा, लाल बिहारी यादव, राजेंद्र चौधरी, शाह आलम, किरणपाल कश्यप और बलराम यादव शामिल हैं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों में पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था।मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। नतीजों से न केवल विभिन्न दलों की सीटों की स्थिति स्पष्ट होगी बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और सपा की राजनीतिक ताकत का संकेत मिलेगा।उत्तर प्रदेश विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या 100 है। एक सीट जितिन प्रसाद के सांसद चुने जाने के बाद रिक्त हुई थी। उन्हें राज्यपाल के मनोनयन कोटे से विधान परिषद का सदस्य बनाया गया था। इस रिक्त सीट के बावजूद नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए 10 सदस्यों की न्यूनतम संख्या का महत्व बना हुआ है।

यूपी बोर्ड- 7526 केंद्रों पर आयोजित होगी परीक्षा

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा इस बार 7526 परीक्षा केंद्र पर आयोजित होगी।भगवती सिंह सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद ने जानकारी देते हुए बताया कि यूपी बोर्ड की परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारण की कार्रवाई अंतिम तौर पर जारी कर दी गई है। प्रदेश के 862 राजकीय, 3276 ऐडेड इंटर कॉलेज तथा 3388 स्ववित्त पोषित विद्यालयों को यूपी बोर्ड परीक्षा के आयोजन के लिए प्रस्तावित किया गया है। चयनित परीक्षा केदो के आवंटन के संबंध में विद्यालय प्रबंधक, प्रधानाचार्य छात्र साक्ष्य सहित 28 अक्टूबर तक अपनी आपत्ति माध्यमिक शिक्षा परिषद में दर्ज कर सकते हैं। प्रदेश में सर्वाधिक परीक्षा केंद्र प्रयागराज में 269 बनाए गए हैं ।वहीं सबसे कम परीक्षा केंद्र जनपद महोबा में 29 निर्धारित किए गए हैं। भगवती सिंह सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद ने जानकारी देते हुए बताया की राजधानी लखनऊ में 127, उन्नाव में 122, रायबरेली में 108, कानपुर नगर में 116, कानपुर देहात में 73, प्रतापगढ़ में 164, चित्रकूट में 41, बांदा में 67, हमीरपुर में 40, ललितपुर में 50, झांसी में 65 तथा जालौन में 64 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। चर्चित गाजीपुर जनपद में 187, जौनपुर में 181, भदोही में 81, मिर्जापुर में 104 तथा सोनभद्र में 66 परीक्षा केदो पर यूपी बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी।

राहुल गांधी के काफिले की 5 गाड़ियां और एंबुलेंस आपस में टकराईं

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के काफिले की गाड़ियां हादसे का शिकार हो गईं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 91 किलोमीटर माइलस्टोन के पास काफिले में शामिल पांच गाड़ियां और एक एंबुलेंस आपस में टकरा गईं। हादसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और सुरक्षा से जुड़े कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। हालांकि, राहुल गांधी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। राहुल गांधी सोमवार को उत्तर प्रदेश के दौरे पर थे। वह दिल्ली से लखनऊ पहुंचे थे और वहां से सुल्तानपुर के लिए रवाना हुए। इसी दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर उनके काफिले की गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा एक्सप्रेसवे पर 91 किलोमीटर माइलस्टोन के पास हुआ। बताया जा रहा है कि काफिले में शामिल पांच गाड़ियां और एक एंबुलेंस आपस में टकरा गईं।

महर्षि वाल्मीकि आश्रम में योगी ने की पूजा-अर्चना



कानपुर । महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कानपुर के बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान दो महंतों ने पूजन संपन्न कराया। लव-कुश आश्रम स्थित गुरुकुल के सात बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया, जिससे आश्रम परिसर भक्तिमय हो गया। मुख्यमंत्री ने आश्रम में स्थित उस प्राचीन शिवलिंग की भी पूजा की, जिसके बारे में मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि इसकी आराधना किया करते थे। इसके बाद उन्होंने सीता कुटिया में दर्शन किए और परिसर में स्थित प्राचीन पीलू के वृक्ष के भी दर्शन किए। आश्रम में पूजा-अर्चना और धार्मिक स्थलों के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री नानाराव पेशवा पार्क पहुंचे।

यहां आयोजित जनसभा में उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पहुंचकर धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना की। उन्होंने आश्रम में स्थित प्राचीन शिवलिंग पर पूजन किया और सीता कुटिया पहुंचकर दर्शन किए।

जेल में बंद कैदियों के मानवाधिकार पर मंथन

लखनऊ। प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों के मानवाधिकार, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन को लेकर बड़ी बैठक हुई। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक उपेन्द्र सिंह बघेल और महानिदेशक कारागार पी.सी. मीना के बीच कारागार प्रशासन को और अधिक संवेदनशील बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में डीआईजी कारागार प्रदीप गुप्ता ने प्रेजेंटेशन के जरिए बताया कि यूपी की जेलों में बंदियों के स्वास्थ्य, कौशल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महिला बंदियों, उनके साथ रह रहे छोटे बच्चों, बुजुर्ग और दिव्यांग कैदियों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखकर अलग व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

2027 में यूपी से भाजपा का सफाया होगा:अखिलेश

भाजपा को हटाने के लिए होगा गठबंधन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीयय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 में भाजपा का यूपी से सफाया होगा प्रदेश के युवा,व्यापारी बेरोजगार,किसान,बेटियों ने भाजपा की वायदा खिलाफी से तंग आ चुके हैं। श्री यादव ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के काफिले पर हमले की निंदा की ,उन्होंने कहा कि भाजपा को हराने के लिए इण्डिया गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा। सपा प्रमुख श्री यादव लोहिया सभागार में आयोजित पत्रकारवार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। सवालों के जवाब में श्री यादव ने यूपी की सरकार में भ्रष्टाचार के रिकार्ड बनते जा रहे हैं,बिना नाम लिए एक विभाग को 17 हजार करोड़ के टेण्डर मैनेज पर श्री यादव ने कहा कि मैनेज करने वाली कम्पनी से मोटा कमीशन लिया गया,यह किसकी जेब में जा रहा है,मुझे अभी दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। सपा प्रमुख के साथ महासचिव एवं चाचा शिपाल सिंह यादव ने कहा कि यूपी में भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ गया है कि आम जनता का कोई भी कार्य बिना रिश्वत के नहीं होता,अब जनता ने इन्हें हटाने का मन बना लिया है ।समाजवादी पार्टी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा अभी भी वोटर लिस्ट में हेराफेरी, धांधली, वोट की डकैती कर रही है। भाजपा विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर वोट की धांधली करना चाहती है। समाजवादी पार्टी जैसे-जैसे वोटरलिस्ट की पड़ताल कर रही है, हर दिन वोटर लिस्ट में धांधली की नई-नई आश्चर्यजनक जानकारियां मिल रही है। सरोजनीनगर, आजमगढ़ से लेकर पीलीभीत तक विभिन्न विधानसभाओं में मतदाता सूची को लेकर अलग-अलग तरीके के मामले आ रहे हैं। अभी नई जानकारी आ रही है कि एक नाम की कई जिलों में इन्ट्री है। श्री यादव ने वोटरलिस्ट को आधार से जोड़ने की मांग करते हुए कहा कि वोटर लिस्ट की सुधार के साथ-साथ बायोमेट्रिक रीडिंग के लिए हर बूथ पर मशीने उपलब्ध करायी जानी चाहिए। हर बूथ पर बायोमेट्रिक डेटा पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड ऐसा बने जिसे कोई नकल करके न बना सके। श्री यादव ने कहा कि सभी दल मतदाता सूची की धांधली को पकड़ने में लग गये हैं, मामले उजागर हो रहे हैं, सभी ने चुनाव आयोग को घेर लिया है। तब चुनाव आयोग कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। उसके पास संसाधन है। आयोग को सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी मतदाता का नाम नहीं छूटे और कोई वोट गलत भी न बने। वोट बनाते समय किसी का दो, तीन या कई-कई वोट नहीं बनना चाहिए। चुनाव आयोग को इसकी व्यवस्था करनी पड़ेगी। जब इतनी तकनीक है तो उसका सहारा लेकर चुनाव आयोग मतदाता सूची को ठीक कर सकता है, कमियों को दूर कर सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि एक मतदाता सुनीता पत्नी राजेश उम्र 42 वर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि इनके वोट की एक जिले में 420 इन्ट्री है। इनके नाम से प्रदेश की वोटर लिस्ट में 2341 इन्ट्री मिल रही है। दूसरा राजकुमारी पत्नी राजकुमार इनकी इन्ट्री 315 है, इनकी पूरे प्रदेश की मतदाता सूची में टोटल इन्ट्री 1627 इन्ट्री है। ये लोग मतदाता सूची के साथ क्या कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार ने पंचायत चुनाव इसीलिए नहीं होने दिया क्योंकि इनकी हेराफेरी और चोरी पकड़ी जाती। प्रधान और प्रधान पद के प्रत्याशी हर मतदाता को पहचानते हैं। भाजपा ने पूरा साजिश षड्यंत्र करके प्रधानी का चुनाव नहीं होने दिया। श्री यादव ने कहा कि चीन सीमा पर अतिक्रमण कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश सीमा, लेह, लद्दाख में घुसपैठ हो रहा है। वे भी तो घुसपैठियां है। उनको कौन डिफाइन करेंगे। जब चुनाव आता है तो भाजपा को घुसपैठियां याद आते हैं। दस साल से देश की सीमाएं असुरक्षित हैं। भाजपा सरकार नौकरी, रोजगार नहीं दे रही है। आरक्षण के साथ खिलवाड़ हो रहा है। भाजपा संविधान का हक छीन रही है। देश में सबसे खराब कानून व्यवस्था उत्तर प्रदेश की है। हत्याएं हो रही हैं। महिलाओं के साथ घटनाएं हो रही है। हिरासत में मौतें हो रहीं हैं। मुख्यमंत्री जी के शहर गोरखपुर में जिसने उनके ऊपर केस किया था उसकी जेल में जान चली गयी। यह कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। यह सरकार सवाल से डरती है। जो सवाल से डरता है वह लोकतंत्र को कमजोर करता है।



बसपा,भाजपा छोड़ दो पूर्व विधायक सहित कई नेता सपा में शामिल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अति पिछड़ों और अवध क्षेत्र से दलित बिरादरी और सवर्ण बिरादरी के नेताओं और उनके समर्थक शामिल होकर मिशन 2027 में प्रचण्ड बहुमत के सरकार बनाने का संकल्प लिया। अति पिछड़ों में प्रजापति निषाद,कश्यप समाज के लोग अपने साधनों से लखनऊ आकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण की,उसमें बसपा और भाजपा के नेता थे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों में आस्था व्यक्त करते हुए भाजपा, बसपा समेत विभिन्न दलों को छोड़कर कई पूर्व विधायकों और प्रमुख नेताओं ने अपने बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ सोमवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में बदायूं जिले के बिसौली सुरक्षित से पूर्व विधायक कुशाग्र सागर, दातागंज बदायूं से पूर्व विधायक सिनोद कुमार शाक्य, ब्लाक प्रमख बदायूं, कालीचरण उर्फ केसी शाक्य, बसपा से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी रहे। बसपा छोड़कर पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी पूर्व प्रत्याशी मुजफ्फरनगर लोकसभा, मेरठ से श्री दारा सिंह प्रजापति, देवेश कुमार, प्रयागराज से पूर्व विधायक अजय कुमार, सीतापुर सेवता विधानसभा से बसपा से प्रत्याशी रहे चन्द्र प्रकाश मिश्र, भाजपा नेता और एफसीआई डायरेक्टर शाहजहांपुर प्रदीप पाण्डेय, पूर्व ब्लाक प्रमुख तिलहर सौरभ सिंह गांधी, रमाकांत गौतम पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तिलहर शाहजहांपुर, गौरव सागर प्रभाश बहादुर, श्रीश बहादुर, फतेहपुर बसपा के नेता रहे रामनरायन निषाद, हीरालाल निषाद, चित्रकूट भाजपा के बलबीर पाल, प्रयागराज जिले में बसपा के अनिल पाल, पूर्व एमएलसी श्रीमती प्रभावती पाल, आगरा के जिला पंचायत सदस्य मानिक चन्द्र दिवाकर भाजपा छोड़कर, जनक सिंह लोधी पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसपा आगरा, डॉ0 शबीहा परवीन मुरादाबाद, डॉ. मरगूब कुरैशी, जीशान अली मुरादाबाद, सत्तार मलिक, शाने आलम, आदित्य शर्मा, रवि शर्मा, रवीन्द्र कुमार जाटव जिलापंचायत सदस्य, नीरज कुमार जाटव, डा. जयकरन, अनिल बनौधा, राजेश कुमार रावत, रामधीन प्रेमी, एडवोकेट संजय पटेल, डा. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के भवनाथ पासवान, रुपलाल रावल, महेन्द्र जाटव, मुकेश धीमान, राजीव रावत, विद्यासागर, जेपी मौर्य, तिलकराम रावत, एडवोकेट आलोक वर्मा, अश्वनी शर्मा, जयपाल पासी नौशे खान, साहबुल हुसेन, मो0 शाहिद, मो0 वारिस, मो0 रईस, अली शहजाद, मो0 आदिल, विजेन्द्र प्रजापति, समेत अन्य लोग प्रमुख रहे।

मावे की गुणवत्ता, खाद्य रंगों के इस्तेमाल, पुराने तेल और पैकेजिंग की होगी जांच

लखनऊ। मिठाई और नमकीन बनाने से लेकर उनकी पैकेजिंग, भंडारण और बिक्री तक खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश ने विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। इनके तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को विनिर्माण इकाइयों, मिठाई की दुकानों और नमकीन बनाने वाले प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, कच्चे माल की गुणवत्ता, खाद्य रंगों के इस्तेमाल, तेल की गुणवत्ता, तापमान नियंत्रण, पैकेजिंग और लाइसेंस से जुड़े नियमों की जांच पर विशेष ध्यान देना होगा। यूपीएफएसडीए आयुक्त डॉ रोशन जैकब का कहना है कि इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित, शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना तथा मिलावट, प्रतिबंधित रसायनों और भ्रामक लेबलिंग जैसी अनियमितताओं पर रोक लगाना है। इसके साथ ही खाद्य कारोबारियों को उत्पादन से लेकर बिक्री तक के



रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।मिठाई और नमकीन बनाने वाले प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई तथा स्वच्छ वातावरण का विशेष ध्यान रखना होगा। क्षेत्र पर्याप्त हवादार होने चाहिए। परिसर को मक्खियों, चूहों और अन्य कीटों से मुक्त रखना होगा। दीवारों और फर्श की सतह ऐसी होनी चाहिए, जिसे आसानी से साफ किया जा सके। खाना बनाने के बर्तनों की नियमित सफाई की जाए। बर्तन धोने और खाद्य पदार्थों के निर्माण में सुरक्षित पेयजल का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। खाद्य अपशिष्ट और इस्तेमाल किए गए तेल के सुरक्षित संग्रहण एवं निस्तारण की व्यवस्था भी जरूरी होगी।मिठाई और नमकीन बनाने में इस्तेमाल होने वाले बेसन, मैदा, सूजी, चीनी, मावा, छेना, दूध, खाद्य तेल, वनस्पति, मेवे और मसालों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। कच्चे माल में फफूंद, कीट, दुर्गंध या मिलावट नहीं होनी चाहिए।मावा, छेना, दूध और पनीर जैसे जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को निर्धारित तापमान पर सुरक्षित रखना होगा।

सरकार के अतिरिक्त सचिव ने किया निरीक्षण

लखनऊ, योगी सरकार में सामुदायिक सौर ऊर्जा आधारित आजीविका मॉडल को बढ़ावा मिल रहा है। ग्रामीण विकास और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की तीन नई पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय द्वारा देशभर से चुनी गई 27 सर्वश्रेष्ठ प्रशासनिक पहलों में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के तीन मॉडल शामिल किए गए हैं। इनमें बहराइच का सौर ऊर्जा आधारित आजीविका मॉडल, मिर्जापुर का महिला किसान उत्पादक संगठन और गोरखपुर का बायोफ्लॉक मत्स्य पालन मॉडल शामिल है। इनकी सफलता और कार्यप्रणाली को समझने के लिए केंद्र सरकार की टीम ने तीनों जिलों का दौरा कर स्थलीय सत्यापन किया।

एमएलसी चुनाव की मतगणना आज 7 शहरों से आएगा 11 सीटों का रिजल्ट

लखनऊ, । यूपी विधान परिषद की स्नातक की पांच और शिक्षक की 6 सीटों के लिए मतगणना कल 27 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। मतगणना संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में निर्धारित स्थलों पर रिटर्निंग ऑफिसर के पर्यवेक्षण में कराई जाएगी। लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना रमाबाई रैली स्थल स्थित हॉल नंबर 7 में होगी, जबकि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना हॉल नंबर 8 में कराई जाएगी।वाराणसी में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन के हॉल नंबर 1 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना हॉल नंबर 2 में होगी। आगरा में नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति, टूंडला रोड स्थित हॉल नंबर 1 में स्नातक और हॉल नंबर 2 में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना कराई जाएगी। मेरठ में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, मोदीपुरम के गांधी हॉल भवन के हॉल ए में होगी। वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना हॉल बी में कराई जाएगी।इलाहाबाद-झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना झांसी स्थित बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज के कोठारी हॉल के हॉल नंबर 1 में होगी। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना बरेली के संजय कम्युनिटी हॉल के हॉल नंबर 1 में कराई जाएगी। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना गोरखपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कॉमर्स बिल्डिंग के हॉल नंबर 1 और 2 में होगी।

विपक्ष के झूठे और दोहरे मानदण्ड को जनता के बीच उजागर करेगी भाजपा: धर्मपाल सिंह

लखनऊ, । भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान चलाकर संवैधानिक मूल्यों तथा चुनावी प्रक्रियों के संबंध में विपक्ष के झूठे राजनैतिक एजेंडे और दोहरे मानदण्ड को जनता के बीच पहुंचकर उजागर करेगी। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने सोमवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में अभियान की प्रदेश टोली की बैठक का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान के द्वारा विपक्ष के आधारहीन विरोध प्रदर्शनों का उत्तर देगी।प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा 6 क्षेत्रों में पदयात्राएं निकालेगी। पदयात्राओं के माध्यम से विपक्ष की देश विरोधी राजनीति, सत्ता परिवर्तन के खतरनाक एजेंडे, देश को अस्थिर करने के खतरनाक मंसूबों को जनता के समक्ष प्रस्तुत करेगी और राष्ट्रीय एकता, संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्यों के माध्यम से जनता को एकजुट करेगी। भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मोर्चा-प्रकोष्ठ पदाधिकारी, संत, महात्मा, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता, चिकित्सक, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठन, भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक लोकतंत्र की हुंकार और अराजकता की हार के संकल्प के साथ पदयात्रा पर निकालेगें। अवध क्षेत्र की पदयात्रा 3 नवम्बर को लखनऊ में निकलेगी। काशी क्षेत्र की पदयात्रा प्रयागराज में 4 नवम्बर तथा गोरखपुर क्षेत्र की पदयात्रा गोरखपुर में 4 नवम्बर को निकलेगी। कानपुर-बुन्देलखण्ड क्षेत्र की पदयात्रा कानपुर में 4 नवम्बर को तथा पश्चिम क्षेत्र की गाजियाबाद और बृज क्षेत्र की पदयात्रा बरेली में 5 नवम्बर को निकलेगी।बैठक में प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के संयोजक दिलीप पटेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तृत चर्चा की।

संपत्तियों की रजिस्ट्री के बाद स्वतः होगा नामांतरण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में संपत्ति संबंधी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में यूनिक प्रॉपर्टी आईडी के सृजन, संपत्ति पंजीकरण के समय स्वामित्व संबंधी अभिलेखों के परीक्षण, रजिस्ट्री के बाद स्वत: नामांतरण, अभिलेखों के ऑनलाइन प्रमाणीकरण तथा साइबर तहसील और राजस्व संहिता की धारा-34 से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यूनिक प्रॉपर्टी आईडी व्यवस्था के संबंध में बताया गया कि प्रदेश में

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

विभिन्न प्रकार की संपत्तियों की पहचान और अभिलेखों के प्रबंधन के लिए अलग-अलग विभागों द्वारा कार्य किया जा रहा है। कृषि भूमि के लिए खसरा संख्या आधारित यूनिक प्रॉपर्टी आईडी उपलब्ध है, जबकि आबादी की भूमि के लिए 13 अंकों की यूनिक प्रॉपर्टी आईडी यानी घरौनी भी तैयार की जा रही है। आवास और औद्योगिक विकास विभाग भी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाली संपत्तियों की यूनिक प्रॉपर्टी आईडी तैयार कर रहे हैं। नगर विकास विभाग की ओर से प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 75 जिला मुख्यालयों के नगर निकायों में ई-नगरसेवा पोर्टल पर 34.70 लाख संपत्तियां दर्ज हो चुकी थीं और इनके लिए 17 अंकों की यूनिक प्रॉपर्टी आईडी सृजित की जा रही थी। बैठक में यह भी बताया गया कि ई-नगरसेवा पोर्टल पर कुल 71 में से 75 नगर निकायों में आईडी सृजन का कार्य हो चुका है तथा 56.57 लाख संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज हैं।

यूपी में 28 से 31 अक्टूबर तक बारिश और तेज हवाओं का पूर्वानुमान

लखनऊ, । चक्रवात 'अर्णब' के संभावित प्रभाव से उत्तर प्रदेश में 28 से 31 अक्टूबर के बीच बेमौसम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की आशंका है। इसको देखते हुए योगी सरकार अलर्ट हो गई है। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय ने जनसामान्य और किसानों के लिए सतर्कता संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश सरकार ने संभावित मौसम परिवर्तन के मद्देनजर राहत-बचाव और एहतियाती उपायों पर जोर दिया है।

मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 28 अक्टूबर को सोनभद्र, मिर्जापुर,



चंदौली, वाराणसी, भदोही, गाजीपुर और बलिया में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 29 अक्टूबर को कई जिलों में भारी बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट है। चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प